राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

August 2022

हिन्दुस्तान, शुक्रवार, 05 अगस्त 2022, Pa

एनआईटी में सत्र 2022-23 के लिए प्लेसमेंट ड्राइव शुरू

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड श्रीनगर ने प्लेसमेंट सत्र 2022-23 के लिए प्लेसमेंट ड्राइव शुरू कर दिया है। संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि प्लेसमेंट सत्र के पहले ही सप्ताह में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के दो छात्रों उज्ज्वल कुमार और अनुज सक्सेना का 18 लाख रुपये प्रति वर्ष के पैकेज के साथ चयन किया गया हैं।

इसके अलावा 5 छात्रों को अगस्त से दिसंबर तक वर्तमान सेमेस्टर के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से इंटर्नशिप का प्रस्ताव दिया है। जिसमें बीटेक सीएसई विभाग के छात्र दीपांशु तनेजा को 1 लाख रुपए प्रति माह का प्रस्ताव मिला है। सीएसई विभाग के अन्य 3 छात्रों और ईसीई विभाग के 1 छात्र को 40 हजार रुपये प्रति माह का प्रस्ताव मिला है। यह भी उम्मीद की जा रही है कि इस साल संस्थान का प्लेसमेंट पिछले साल की तुलना में बेहतर होगा। कहा छात्रों के करियर निमार्ण के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), अनुसंधान और परामर्श गतिविधियों को लागू करने जैसी आवश्यक गतिविधियों पर भी जोर दिया गया है। जिसमें बाहरी फंडिंग एजेंसियों को परियोजनाएं लिखना, पेटेंट दाखिल करना और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करना शामिल है। इस तरह की महत्वपूर्ण गतिविधियां राष्ट्रीय संस्थान अनुसंधान ढांचे (एनआईआरएफ) में संस्थान की रैंकिंग में सुधार करने में मददगार साबित होंगी। संस्थान ने छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के प्रयासों के कारण 2022 एनआईआरएफ रैंकिंग में 131वीं रैंक हासिल की है। संस्थान के निदेशक प्रो. अवस्थी, रजिस्ट्रार डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने सभी चयनित छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए पूरी कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट टीम, डॉ. हरिहरन मुथुसामी डॉ. कृष्ण कुमार आदि को बधाई दी है।

05 छात्रों को प्रतिष्ठित संस्थानों से इनटर्नशिप का मिला है प्रस्ताव

परीक्षा परिणाम में त्रुटि पर कुलसचिव को ज्ञापन भेजा

उत्तरकाशी। राजकीय महाविद्यालय उत्तरकाशी में एमएससी केमिस्ट्री अंतिम वर्ष के छात्रों के परीक्षा परिणाम में भारी त्रुटि को लेकर ओम छात्रसंगठन के कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य के माध्यम से कुल सचिव को ज्ञापन भेजा। कहा कि केमिस्ट्री विषय में पूरी क्लास को फेल किया गया है। ओम ग्रुप के संस्थापक अमरीकन पुरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि श्रीदेव सुमन यूनिवर्सिटी द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में पूरी कक्षा को फेल कर दिया गया है।

दो साल बाद एनआइटी में आफलाइन कक्षाओं का संचालन शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर का नया शैक्षणिक सत्र 2022-23 आफलाइन कक्षाओं के साथ शुरू हो गया। कोरोना महामारी के कारण पिछले दो वर्षों से एनआइटी की कक्षाएं आनलाइन संचालित हो रही थी। एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने नए सत्र के छात्र-छात्राओं का संस्थान प्रशासन की ओर से स्वागत और उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि इस सत्र की सभी कक्षाएं पूरी क्षमता के साथ आफलाइन माध्यम से संचालित की जाएंगी, लेकिन इस दौरान कोविड मानकों का भी पूरा पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना को लेकर लगाए गए प्रतिबंधों को हटा लिए जाने से आफलाइन कक्षाएं शुरू करने का निर्णय लिया गया। कहा कि बीटेक और एमटेक के छात्र-छात्राओं के लिए सभी छात्रावासों में आवश्यकतानुसार सभी व्यवस्थाएं भी पूर्ण कर ली गयी हैं। संस्थान परिसर में ही मैस और कैंटीन का संचालन शुरू करवा दिया गया है। आफलाइन कक्षाएं शुरू होने से एनआइटी के विद्यार्थियों में खासा उत्साह भी देखा जा रहा है। (जासं)

अमर उजाला, शुक्रवार, 05 अगस्त 2022, Page No.07

एनआईटी उत्तराखंड में नया शैक्षणिक सत्र शुरू

इस सत्र से ऑफलाइन मोड में चलेंगी कक्षाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड में पूर्ण रुप से ऑफलाइन मोड में कक्षाएं संचालित होने लगी हैं। दो साल से संस्थान में कोरोना संक्रमण के चलते कक्षाओं का संचालन ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में हो रहा था।

भक्तियाना स्थित एनआईटी में नए शैक्षणिक का शुभारंभ हो गया है। संस्थान में बीटेक द्वितीय से अंतिम वर्ष और एमटेक अंतिम वर्ष की कक्षाएं ऑफलाइन मोड में संचालित होने लगी है।

सत्र से संस्थान में ऑफलाइन कक्षाएं संचालित होने के कारण जुलाई अंत से ही यहां छात्रों का आगमन शुरू हो गया था। संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि अब कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए लगाए गए प्रतिबंधों को हटा लिए जाने से इस सत्र की सभी कक्षाएं पूरी क्षमता के साथ ऑफलाइन माध्यम में संचालित की जाएगी।

प्रो. अवस्थी ने बताया कि छात्रों के रहने के लिए संस्थान के अंदर स्थित छात्रावासों में आवश्यकतानुसार समुचित व्यवस्था कर ली गई है। मेस एवं कैंटीन भी संचालित हो रही है। सुरक्षा की दृष्टि से छात्रों को अध्ययन और प्रायोगिक कार्यों के लिए आईटीआई व पॉलीटेक्निक के बीच फैले परिसर में आवागमन के लिए शक्ति विहार होते हुए एक वैकल्पिक मार्ग भी तलाश कर लिया गया है।

राष्ट्रीय सहारा, शुक्रवार, 05 अगस्त 2022, Page No.04

एनआईटी श्रीनगर में लौटी पहले जैसी रंगत

■ श्रीनगर/एसएनबी।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो गया है। इस सत्र में ऑफलाइन कक्षाएं संचालित होने के कारण जुलाई माह के अंत से ही छात्रों का आगमन शुरू है गया था, जिससे संस्थान में फिर से कोरोना काल से पहले जैसी चहल पहल शुरू हो गयी है।

प्रो. अवस्थी ने कहा सभी व्यवस्थाएं दुरस्त

कोरोना के बाद ऑफ लाइन कक्षाओं का संचालन शुरू

संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते पिछले दो सालों से आनलाइन कक्षाएं संचालित हो रहीं थीं। हालांकि कोरोना महामारी का प्रकोप कम होने पर आनलाइन कक्षाओं के साथ ऑफलाइन कक्षाएं भी शुरू कर दी गईं थीं और छात्र अपनी सुविधानुसार ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कक्षा में पढ़ाई कर रहे थे लेकिन अब कोरोना को लेकर लगाए गए प्रतिबंधों को हटा लिए जाने से इस सत्र की सभी कक्षाएं पूरी क्षमता के साथ ऑफलाइन माध्यम में संचालित की जाएँगी। हालांकि इस दौरान कोविड मानकों का भी अनुपालन किया जायेगा।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि बीटेक एवं एमटेक के छात्रों को रहने के लिए संस्थान के अंदर स्थित छात्रावासों में आवश्यकतानुसार समुचित व्यवस्था कर ली गयी है। साँथ ही खानपान की सुविधा के लिए संस्थान के अंदर मेस एवं कैंटीन का भी संचालन शुरू हो गया है।

राष्ट्रीय सहारा, शनिवार, 06 अगस्त 2022, Page No.03.

एनआईटी उत्तराखंड में शुरू होगा सेल्फ इस्पोंसर्ड एमटेक प्रोगाम : प्रो अवस्थी

श्रीनगर/एसएनबी। एनआईटी उत्तराखंड में सेल्फ इस्पोंसर्ड एमटेक प्रोग्राम शुरू होगा। इसके लिए एनआईटी संस्थान ने पूरी तैयारी कर ली है, जल्द ही इसका विज्ञापन भी जारी हो जाएगा। एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो.एल के अवस्थी ने बताया कि इस सत्र से संस्थान में सेल्फ इस्पोंसर्ड एमटेक प्रोग्राम की शुरूआत हो रही है। इससे उन छात्रों को लाभ मिलेगा जो किसी वजह से राष्ट्रीय स्टार पर एमटेक एडमिशन के लिए होने वाली सीसीएमटी काउंसलिंग में भाग नहीं ले पाये हैं। उन्होंने कहा की सेल्फ इस्पोंसर्ड स्कीम के अंतर्गत प्रत्येक इंजीनियरिंग ब्रांच में पांच सीटें निर्धारित है जिसमे एडमिशन लेने के लिए अभ्यर्थियों को संस्थान द्वारा आयोजित एक प्रवेश परीक्षा से गुजरना होगा।

एनआईटी की गतिविधियों के बारे में दी जानकारी

प्रो.अवस्थी ने कहा की एनआईटी उत्तराखंड एवं शरमन फाउंडेशन के बीच एक समझौता हस्ताक्षर हुआ है। इस समझौते के तहत संस्थान के 40 छात्रों का चयन किया जाएगा और उन्हें शरमन फाउंडेशन की तरफ से प्रतिवर्ष 50000 रुपये की स्कालरशिप दी जायेगी। प्रो.अवस्थी ने कहा कि संस्थान में टीचिंग एवं नॉन-टीचिंग की भर्ती प्रक्रिया शुरू होने वाली है जिसके लिए संभवतः अगले सप्ताह तक विज्ञापन आ जाएगा। प्रो.अवस्थी ने कहा कि श्रीनगर कैंपस में पहले चरण की निर्माण प्रक्रिया शीघ्र ही पूरी कर ली जाएगी उसके बाद दूसरे चरण में क्लास रूम स्मार्ट क्लास रूम, सेंट्रल लाइब्रेरी एवं डायरेक्टर ऑफिस आदि के निर्माण का काम भी शुरू कर दिया जायेगा। साथ साथ ही सुमाड़ी कैंपस के लिए भी टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

अमर उजाला, शनिवार, 06 अगस्त 2022, Page No.06

बेहतर स्कोर नहीं किया तो कम फीस में करें एमटेक

संवाद न्यूज एजेंसी

एनआईटी उत्तराखंड में इस सत्र से स्व प्रायोजित एमटेक पाठ्यक्रम होगा शुरू

श्रीनगर। एनआईटी उत्तराखंड (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) में वर्तमान शैक्षणिक सत्र (2022-23) से सेल्फ स्पॉन्सर्ड (स्व प्रायोजित) एमटेक पाठ्यक्रम शुरू हो जाएगा। इसके तहत गेट परीक्षा (इंजीनियरिंग में स्नातक योग्यता परीक्षण) में बेहतर स्कोर न कर पाने वाला बीटेक डिग्रीधारी छात्र एमटेक कर सकता है। इसके लिए उसे संस्थान की ओर से निर्धारित फीस चुकानी होगी। एनआईटी उत्तराखंड में फिलहाल स्व प्रायोजित एमटेक पाठ्यक्रम के पांच ट्रेडों के लिए 25 सीट निर्धारित की गई हैं। इसकी फीस प्रति सेमेस्टर 70 हजार रुपये है।

एनआईटी समेत अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थानों में एमटेक में प्रवेश पाने का पारंपरिक तरीका गेट परीक्षा है लेकिन गेट परीक्षा में स्कोर न कर पाने की वजह से हजारों छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों से एमटेक नहीं कर पाते हैं। ऐसे में उन्हें प्राइवेट संस्थानों का रास्ता देखना पड़ता है और अधिक फीस करीब तीन से छह लाख देनी पड़ती है। अब एनआईटी उत्तराखंड ने ऐसे छात्रों के लिए स्व प्रायोजित एमटेक प्रोग्राम शुरू किया है। संस्थान में संचालित पांच ट्रेडों में 25 सीट आरक्षित रखी गई हैं यानी हर ट्रेड में 5-5 सीट निर्धारित की गई हैं। इस प्रोग्राम में दाखिले के लिए संस्थान की ओर से स्थानीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा ली जाएगी और मेरिट के आधार पर छात्रों को एमटेक में प्रवेश दिया जाएगा।

एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि गेट परीक्षा के बाद प्रवेश और स्व प्रायोजित पाठ्यक्रम में सिर्फ स्कॉलरशिप और फीस का अंतर है। गेट के माध्यम से एमटेक करने वाले छात्रों को प्रतिमाह 12 हजार रुपये स्कॉलरशिप मिलती है। इससे उन्हें फीस चुकाने के लिए धनराशि मिल जाती है जबकि स्व प्रायोजित प्रोग्राम वाले छात्रों को स्कॉलरशिप नहीं मिलेगी। उन्हें प्रति सेमेस्टर लगभग 70 हजार रुपये फीस अपनी जेब से देनी होगी। इस कोर्स के लिए दो साल में करीब ढाई लाख रुपये फीस लगेगी।

अमर उजाला, शनिवार, 06 अगस्त 2022, Page No.02

एनआईटी के स्थायी परिसर के लिए दो माह में होंगे टेंडर

संवाद न्यूज एजेंसी

पत्रकार वार्ता में बोले निदेशक प्रो. एलके अवस्थी

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड के सुमाड़ी में बनने वाले स्थायी परिसर के निर्माण के लिए प्रथम चरण में संस्थान का 596.75 करोड़ रुपये का हेफा ऋण मंजूर हो गया है। आगामी दो माह में टेंडर हो जाएंगे। वर्तमान में राज्य सरकार सुमाड़ी के लिए लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से पंपिंग पेयजल योजना का निर्माण करा रही है और परिसर का डिजायन फाइनल होने के बाद राज्य सरकार ही आंतरिक सड़कों का निर्माण करवाएगी।

उक्त बातें एनआईटी सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में एनआईटी के निदेशक प्रो. एलके अवस्थी ने कहीं। उन्होंने बताया कि एनआईटी स्थायी परिसर का डिजायन फाइनल हो चुका है। निर्माण के लिए हेफा ऋण (उच्च शिक्षण वित्तपोषण एजेंसी के तहत ऋण) भी मंजूर हो गया है। उन्होंने बताया कि अभी एनआईटी के अस्थायी कैंपस के प्रथम चरण में छात्रावासों का निर्माण चल रहा है और दो ब्लॉक तैयार हो गए हैं। वर्तमान में संस्थान के छात्रावासों की क्षमता 316 सीट की है। नया छात्रावास तैयार होने से लगभग 240 सीट और बढ़ जाएंगी। इससे संस्थान में बीटेक व एमटेक प्रथम वर्ष में आने वाले छात्र-छात्राओं के रहने लायक पर्याप्त जगह मिल जाएगी। प्रो. अवस्थी ने बताया कि यहां द्वितीय चरण में कक्षा कक्ष, ई-क्लास रूम, सेंट्रल लाइब्रेरी, ऑडिटोरियम, इंडोर स्पोर्ट्स कांपलेक्स, दुकान और प्रशासनिक भवन का निर्माण होना है।

इस अवसर पर कार्यवाहक कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी और मीडिया समन्वयक धीरेंद्र सिंह मौजूद थे। बता दें कि वर्ष 2009 में स्वीकृत एनआईटी उत्तराखंड वर्तमान में श्रीनगर के भक्तियाना स्थित आईटीआई और पॉलीटेक्निक के भवनों में चल रहा है। स्थायी परिसर का निर्माण यहां से करीब 16 किलोमीटर दूर सुमाड़ी में होना है।

दैनिक जागरण, शनिवार, 06 अगस्त 2022,

73 अभ्यर्थियों ने दी स्नातक प्रवेश परीक्षा

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने को लेकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा लिए जाने वाले कामन यूनिवर्सिटी इंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) शुक्रवार को एनआइटी परीक्षा केंद्र में संपन्न हुई। एनआइटी के परीक्षा केंद्र प्रभारी और कंप्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष डा. सुरेंद्र सिंह सूरी ने बताया कि प्रथम पाली में 41 और द्वितीय पाली में 32 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। एनआइटी प्रशासन ने परीक्षा संपन्न करवाने को लेकर कुशल प्रबंध किया था।

परीक्षा में सर्वर को लेकर कुछ दिक्कतें आई, लेकिन परीक्षा शुरू होने से पहले ही कंप्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष डा. सुरेंद्र सिंह सूरी के दिशा-निर्देशन में एनआइटी की टेक्निकल टीम ने कठिनाईयां दूर कर परीक्षा शुरू करवायी। उल्लेखनीय है कि बीते गुरुवार को सर्वर कनेक्ट से संबंधित समस्या आने के कारण सीयूईटी परीक्षा नहीं हो पायी थी। (जासं)

दैनिक जागरण, शनिवार, 06 अगस्त 2022, Page No.04.

एनआइटी के छात्रों को मिलेगी छात्रवृत्ति

- सेल्फ इन्पान्सर्ड स्कीम में हर इंजीनियरिंग ब्रांच में एमटेक की पांच-पांच सीटें निर्धारित
- अभ्यर्थी को संस्थान की ओर से आयोजित एक प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी
- चयनित छात्र-छात्रा को शरमन फाउंडेशन की ओर से हर वर्ष 50 हजार की छात्रवृत्ति मिला करेगी

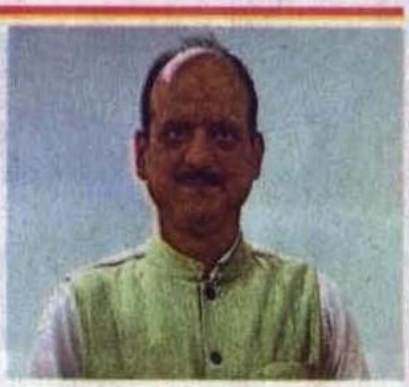

प्रो. ललित कुमार अवस्थी ● जागरण

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: एमटेक में प्रवेश लेने को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली सीसीएमटी काउंसिलिंग प्रतियोगिता में भाग न ले पाने वाले बीटेक छात्र भी अब एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर से एमटेक की डिग्री ले सकते हैं। जिसके लिए एनआइटी में सेल्फ इन्पान्सर्ड एमटेक प्रोग्राम की शुरुआत की जा रही है।

शुक्रवार को पत्रकारों से रूबरू हुए एनआइटी निदेशक प्रख्यात अभियंता प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि इस स्कीम के अंतर्गत एनआइटी की प्रत्येक इंजीनियरिंग ब्रांच में पांच-पांच सीटें निर्धारित की गई हैं। जिसमें प्रवेश लेने को लेकर अभ्यर्थी को संस्थान की ओर से आयोजित एक प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए भी एनआइटी और शरमन फाउंडेशन के मध्य एक एमओयू हुआ है। जिसके तहत एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के 40 छात्र-छात्राओं का चयन किया जाएगा। चयनित हर छात्र-छात्रा को शरमन फाउंडेशन की ओर से हर वर्ष 50 हजार रुपये की छात्रवृत्ति मिला करेगी।

उन्होंने कहा कि संस्थान में शिक्षकों और नान टीचिंग के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू की जा रही है। सुमाड़ी में एनआइटी के स्थायी परिसर के निर्माण कार्य को लेकर टेंडर प्रक्रिया भी शुरू होने जा रही है। एनआइटी श्रीनगर कैंपस में छात्रों की सुविधा को लेकर पहले चरण के निर्माण कार्य भी पूरे हो रहे हैं। दूसरे चरण में क्लासरूम, स्मार्ट क्लास रूम, सेंटर लाइब्रेरी, निदेशक कार्यालय का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के तत्वावधान में इंडो यूएस वर्चुअल वर्कशाप आन नेक्स्ट जेनरेशन आफ स्टेम साइंटिस्ट का आयोजन भी किया जा रहा है। कहा कि संस्थान के कार्यों के स्वचालन को लेकर समर्थ ई गवर्नेंस को भी लागू किया जा रहा है। यह एक आटोमेशन इंजन है। जिसे देश के उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए डिजाइन किया गया है। एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने भी संस्थान के विभिन्न कार्यों के बारे में बताया।

हिन्दुस्तान, शनिवार, 06 अगस्त 2022, Page No.06.

कैंपस निर्माण को जल्द होंगे टेंडर

एनआईटी

श्रीनगर,संवाददाता।राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान(एनआईटी)उत्तराखंड श्रीनगर में 3 अगस्त से नए शैक्षणिक सत्र 2022-23 का शुभारम्भ हो गया है। इस सत्र में ऑफलाइन कक्षाएं संचालित होने के कारण कोरोना काल से पहले जैसी चहल-पहल शुरू हो गई है। संस्थान के निदेशक, प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि इस सत्र की सभी कक्षाएं कोविड मानकों के तहत पूरी क्षमता के साथ ऑफलाइन माध्यम में संचालित की जाएंगी।

पत्रकारों से बातचीत में निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि वर्तमान में संस्थान में 300 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। नए सत्र में 180 छात्रों के और प्रवेश होने हैं। छात्रावासों में आवश्यकतानुसार समुचित व्यवस्था कर ली गयी है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर एनआईटी के अस्थायी परिसर में द्वितीय चरण का निर्माण कार्य भी जल्द शुरू हो जाएगा। इस चरण में क्लास रूम, लाइब्रेरी, ऑडिटोरियम, प्रशासनिक ब्लॉक आदि का निर्माण होना है। कहा सुमाड़ी में बनने वाले स्थायी परिसर के निर्माण की कार्यवाही भी जारी है। दो माह के अंदर इसके टेंडर हो जाएंगे। निर्माण कार्य के लिए करीब 596 करोड़ हेपा लोन के जरिए मिल चुके हैं। संस्थान की नई वेबसाइट भी लांच कर दी गई है। मौके पर संस्थान के प्रभारी कुलसचिव डा.धमेंद्र त्रिपाठी एवं डा. डीबी सिंह भी मौजूद रहे।

जल्द होंगी टीचिंग और नॉन टीचिंग के पदों पर भर्तियां: एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर में जल्द टीचिंग व नॉन टीचिंग के पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि नॉन टीचिंग के तहत स्थायी कुलसचिव, उप कुलसचिव, अधिशासी अभियंता, डॉक्टर सहित 32 और टीचिंग में नौ प्रोफेसर सहित 15 पदों पर भर्तियां होनी हैं। जल्द ही आवेदन मांगे जाएंगे।

बिना गेट के एमटेक में 25 सीटों पर होंगे प्रवेश: एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर में सेल्फ स्पॉसर्ड एमटेक प्रोग्राम के तहत सत्र 2022-23 में प्रत्येक ब्रांच में 5-5 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। निदेशक प्रो. अवस्थी ने बताया कि जिन बच्चों ने गेट नहीं दिया वह भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। ऐसे आवेदक छात्रों का संस्थान की ओर से टेस्ट लिया जाएगा। टेस्ट क्वालीफाई करने वाले छात्रों को मेरिट से प्रवेश दिया जाएगा। 25 सीटों पर प्रवेश होंगे।

एक्टिविटी कैलेंडर जारी:श्रीनगर। एनआईटी ने शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक क्रियाकलापों के लिए एक्टिविटी कैलेंडर जारी कर दिया है। कुलसचिव डा.धमेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि इसी एक्टिविटी कैलेंडर के तहत संस्थान में क्रियाकलाप आयोजित किए जाएंगे।

अमर उजाला, सोमवार, 08 अगस्त 2022, Page No.02.

'हर घर तिरंगा से देश भक्ति की मिलेगी प्रेरणा'

श्रीनगर। एनआईटी उत्तराखंड ने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान को लेकर संयुक्त गोष्ठी आयोजित की। रविवार को निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी व केंद्रीयकृत प्रशिक्षण केंद्र एसएसबी श्रीनगर के डीआईजी सृष्टिराज गुप्ता ने गोष्ठी का शुभारंभ किया। डीआईजी गुप्ता ने कहा कि आज के वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए लोगों में राष्ट्रवाद की भावना को जगाने और उन्हें एक जुट करने के लिए एक प्रतीक की जरूरत है। इसलिए हर घर तिरंगा कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस मौके पर एनआईटी के कार्यवाहक कुल सचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डीन प्लेसमेंट डॉ. हरिहरन मुथुसामी, डीन अकादमिक डॉ. लालता प्रसाद व डॉ. शिवा के. तडेपल्ली आदि मौजूद थे। संवाद

राष्ट्रीय सहारा, सोमवार, 08 अगस्त 2022, Page No.04.

एसएसबी के बैंड दस्ते ने दी शानदार प्रस्तुति

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

श्रीनगर।

एनआईटी उत्तराखंड में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), श्रीनगर (गढ़वाल) के सहयोग से प्रगतिशील स्वतंत्र भारत के 75 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के तहत एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया है। इस अवसर पर एसएसबी के बैंड दस्ते ने अपनी प्रस्तुति से सभी को मत्र मुग्ध किया।

व्याख्यान संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया जिसे एसएसबी के डीआईजी और सृष्टिराज गुप्ता ने संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि एनआईटी के निदेशक प्रो.ललित कुमार अवस्थी ने किया। कार्यक्रम में प्रो.अवस्थी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। प्रो.अवस्थी ने संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों से राष्ट्र निर्माण के प्रति अधिक प्रतिबद्धता, देशभक्ति समर्पण और जिम्मेदारी पैदा करने का आग्रह किया। एसएसबी के डीआईजी सृष्टिराज गुप्ता ने अपने व्याख्यान में कहा कि आज के वैं वक परिदृश्य को देखते हुए लोगों में राष्ट्रवाद की भावना को जगाने और उन्हें एकजुट करने के लिए एक प्रतीक की जरूरत है।

कार्यक्रम के दौरान एसएसबी व एनआईटी की फैकल्टी सदस्य।

राष्ट्रीय सहारा, बुधवार, 10 अगस्त 2022, Page No.04.

एनईपी के क्रियान्वयन के लिए एनआईटी उत्तराखंड तत्पर : प्रो. अवस्थी

श्रीनगर/एसएनबी।

आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए एनआईटी, उत्तराखंड ने रोटरी क्लब, श्रीनगर गढ़वाल के साथ मिलकर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने संस्थान के अधिकारियों, शिक्षकों और रोटरी क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर जगह जगह फलदार एवं अन्य प्रजातियों के पौधों का रोपण किया।

रोटरी क्लब के साथ मिलकर किया पौधरोपण

इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक, प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा की शुद्ध हवा, जल एवं अन्य प्राकृतिक सुविधाओं का लाभ लेने के लिए प्रकृति का संरक्षण अति आवश्यक है और इसके लिए पौधरोपण ही एकमात्र विकल्प है। हमें पर्यावरण को अपनी संतान की तरह संरक्षित करना होगा और इसके लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करनी होगी।

कहा कि पौधरोपण से भूमिगत जल का स्तर बढ़ाने, स्थायी जैव विविधता के संरक्षण और प्रदूषण को निर्धारित सीमा के भीतर लाकर ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों को कम करने मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी आग्रह किया की हमें अपने संस्थान में अधिक से अधिक फलदार पौधों का रोपण करना चाहिए जिससे कैंपस के छात्र उनका उपयोग कर सकें। इस अवसर पर प्रो. अवस्थी ने एनआईटी, उत्तराखंड के साथ-साथ पूरे उत्तराखंड राज्य के छात्रों के समग्र विकास के लिए नयी शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता जाहिर की और कहा कि हमारा संस्थान न केवल श्रीनगर एवं उनके आस पास बल्कि राज्य के दूर दराज़ के स्कूलों और कॉलेजो में भी एन ई पी के सुचारु रूप से क्रियान्वयन के लिए तत्पर है। इस अवसर पर डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डॉ. हरिहरन मुथुसामी, डॉ. कुलदीप सिंह, पारस, सुमित नौटियाल आदि उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान, बुधवार, 10 अगस्त 2022, Page No.06.

प्रो. अवस्थी ने पौधरोपण किया

श्रीनगर। आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के तहत एनआईटी श्रीनगर ने रोटरी क्लब, श्रीनगर गढ़वाल के साथ मिलकर पौधरोपण कार्यक्रम चलाया।

इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने संस्थान के अधिकारियों, शिक्षकों और रोटरी क्लब के सदस्यों के संग फलदार एवं दूसरे पौधों का रोपण किया।

दैनिक जागरण, शुक्रवार, 12 अगस्त 2022, Page No.04.

बेहतर करियर के लिए ज्ञान और कौशल का अपडेट होना जरूरी

- एनआइटी श्रीनगर में रोजगार कौशल और औद्योगिक आवश्यकताओं विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू
- इस शैक्षिक सत्र में हम बहुराष्ट्रीय कंपनियों में शत प्रतिशत प्लेसमेंट का लक्ष्य करेंगे प्राप्त : प्रो. अवस्थी

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : छात्र-छात्राओं को बेहतर और आकर्षक प्लेसमेंट को लेकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर में रोजगार कौशल और औद्योगिक आवश्यकताओं विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू हो गई है। इसकी शुरुआत बतौर मुख्य अतिथि एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने की।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बेहतर और आकर्षक करियर के लिए ज्ञान और कौशल के साथ ही दृष्टिकोण का अपडेट रहना जरूरी है। औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप हमें श्रेष्ठ मानव संसाधन तैयार करने हैं। एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर इस लक्ष्य को लेकर प्राथमिकता से कार्य कर रहा है। निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि संस्थान की प्राथमिकता है कि इस शैक्षिक सत्र में हम बहुराष्ट्रीय कंपनियों में शत प्रतिशत प्लेसमेंट का लक्ष्य प्राप्त करेंगे। शिक्षा सत्र 2021-22 के दौरान विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के 75 प्रतिशत छात्रों को आकर्षक पैकेज के साथ बेहतर प्लेसमेंट मिला है। जिसे अब हम शत प्रतिशत प्राप्ति करने पर कार्य कर रहे हैं। आमंत्रित विशिष्ट अतिथि मोनिका स्वामी ने संचार क्षेत्र के विविध आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने को लेकर संचार कौशल में निपुण होना जरूरी है। इस अवसर पर बदलती औद्योगिक जरूरतों के संदर्भ में एक समूह चर्चा भी आयोजित की गई। एनआइटी के करियर परामर्श और प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में आयोजित हो रही इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में 100 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

गढ़वाल की और भी खबरें पढ़ें
www.jagran.com

अमर उजाला, शुक्रवार, 12 अगस्त 2022, Page No.06.

रोजगार कौशल पर एनआईटी में हुई कार्यशाला

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड के कॅरिअर परामर्श एवं प्लेसमेंट (सीसी एंड पी) विभाग की ओर से रोजगार कौशल एवं औद्योगिक आवश्यकताओं पर कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने किया। उन्होंने बताया कि प्लेसमेंट सत्र 2021-22 के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में 75 प्रतिशत छात्रों का चयन किया गया था। इस वर्ष संस्थान के 100 प्रतिशत छात्रों के प्लेसमेंट की उम्मीद है। क्योंकि छात्र पिछले वर्ष की तुलना में प्लेसमेंट के लिए बेहतर ढंग से तैयार हैं। इस सप्ताह पांच से अधिक छात्रों को इंटर्नशिप ऑफर मिला है जबकि दो छात्रों को वर्तमान प्लेसमेंट सत्र के दौरान 18 लाख के ऑफर मिले हैं। संवाद

दैनिक जागरण, शुक्रवार, 12 अगस्त 2022, Page No.06.

एनआइटी शिक्षकों ने निकाली तिरंगा यात्रा

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और अधिकारियों ने आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत गुरुवार को तिरंगा यात्रा निकाली। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी के नेतृत्व में राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए एनआइटी की यह तिरंगा यात्रा एनआइटी के पालीटेक्निक परिसर से शुरू होकर नेशनल हाइवे से होते हुए गढ़वाल केंद्रीय विवि गेअ के समीप से कमलेश्वर महादेव मंदिर होते हुए वापस पालीटेक्निक परिसर पहुंची। पंकज सती और हरि सिंह बिष्ट के विशेष सहयोग से आयोजित इस तिरंगा यात्रा में सहकारी बैंक कर्मी देशभक्ति के नारे लगाते हुए शहर के सभी प्रमुख मार्गों से होकर गुजरे। सहकारी बैंक श्रीनगर शाखा के वीरचंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग बाजार स्थित मुख्य प्रवेश द्वार पर भी हाथों पर तिरंगा लिए सहकारी बैंक कर्मियों ने रैली निकाली।

हिन्दुस्तान, शुक्रवार, 12 अगस्त 2022, Page No.06.

एनआईटी के छात्रों और शिक्षकों ने निकाली तिरंगा यात्रा

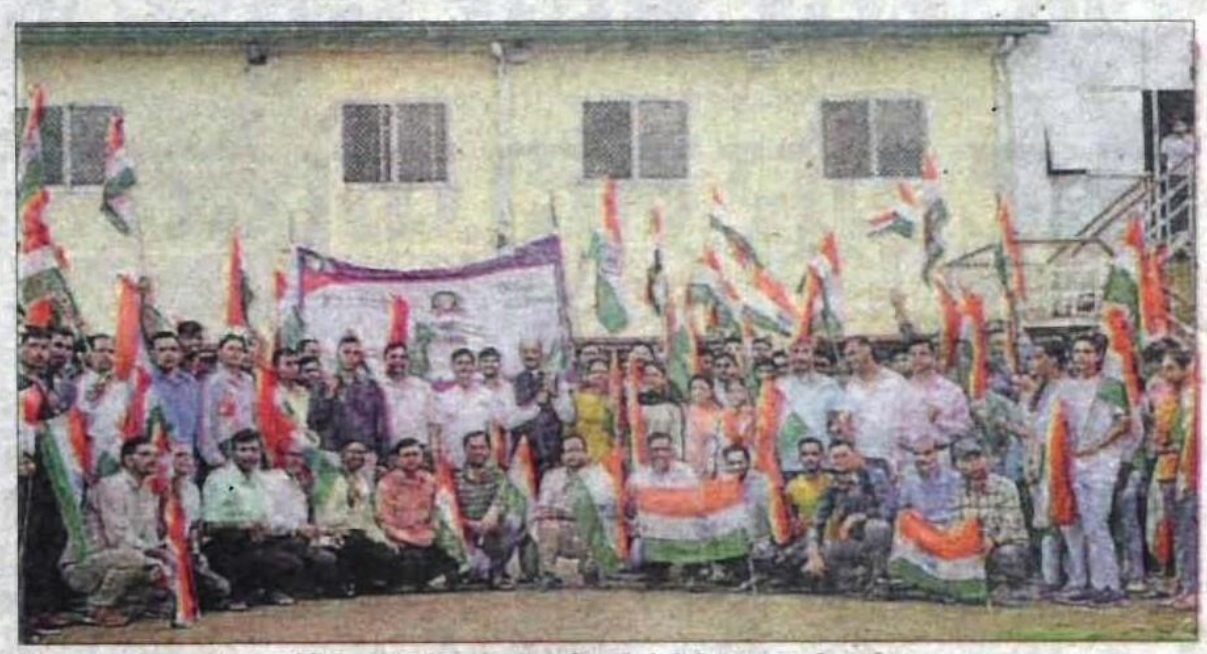

श्रीनगर में गुरुवार को एनआईटी के छात्रों, शिक्षकों और अधिकारियों ने तिरंगा यात्रा निकाली। • हिन्दुस्तान

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड श्रीनगर के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अधिकारियों ने गुरुवार को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा का आयोजन प्रगतिशील स्वतंत्र भारत के 75 गौरवशाली वर्ष पूरे करने के अवसर पर लोगों को अपने-अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी के नेतृत्व में पॉलीटेक्निक कैंपस से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया। मौके पर डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी (डीएसडब्ल्यू), डॉ. जी एस बरार (डीन, पीएडडी), डॉ. हरिहरन मुथुसामी (डीन, एफडब्ल्यू) आदि थे।

अमर उजाला, बुधवार, 17 अगस्त 2022, Page No.08.

डिजीटल युग में कॅरिअर बनाने के बताए गुर

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड के कॅरिअर परामर्श एवं प्लेसमेंट (सीपी एंड पी) विभाग की ओर से रोजगार कौशल और औद्योगिक आवश्यकताओं विषय पर कार्यशाला हुई। पांच दिन चली कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों ने डिजीटल युग में कॅरिअर निर्माण के संबंध में जानकारी दी।

कार्यशाला में कॅरिअर परामर्शदाता मोनिका स्वामी ने संचार के स्तर के बारे में बताया। सॉफ्टवेयर डेवलपर व संस्थान के पूर्व छात्र शिखर शर्मा ने डिजिटल युग में कॅरिअर तय करने और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में इंटरव्यू देने के तौर-तरीके बताए। सहायक अभियंता इंद्रेश ध्यानी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ सिविल इंजीनियरिंग में नौकरी के अवसर के बारे में बताया। इस मौके पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की उप प्रबंधक मिनी सिंह, एचपीसीएल के अधिकारी सोमराज, एनआईटी जालंधर के एसोसिएट प्रो. हरलीन दहिया, संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी मौजूद थे। संवाद

अमर उजाला, रविवार, 21 अगस्त 2022, Page No.08.

दही-हांडी प्रतियोगिता में कंप्यूटर साइंस विभाग प्रथम

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड में कल्चरल एंड फाइन आर्ट्स क्लब की पहल पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। छात्रों के लिए दही-हांडी और छात्राओं के लिए ब्लाइंड फोल्ड दही-हांडी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने किया। दही-हांडी प्रतियोगिताओं में कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र और छात्राओं ने बाजी मारी। कार्यक्रम में डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डा. नितिन शर्मा, डा. कुलदीप सिंह आदि मौजूद थे। संवाद

दैनिक जागरण, रविवार, 21 अगस्त

दही हांडी में कम्प्यूटर साइंस की टीम विजयी

श्रीनगर गढ़वाल: श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में शुक्रवार रात्रि कल्चरल एंड फाइन आर्ट्स क्लब के तत्वावधान में संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन हुआ। इस दौरान छात्रों के लिए दही हांडी प्रतियोगिता और छात्राओं के लिए ब्लाइंड फोल्ड दही हांडी प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। दोनों प्रतियोगिताओं में कम्प्यूटर साइंस विभाग की टीम विजयी रही।

एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्र-छात्राओं में रचनात्मकता और अपनी संस्कृति के प्रति जागरूकता की भावना पैदा होती है। कृष्ण सुदामा का उदाहरण देते हुए प्रो. अवस्थी ने कहा कि मित्रता और उदारता जैसे नैतिक मूल्यों को अपनाने के साथ ही हमें छोटा-बड़ा, ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी जैसे संकीर्ण सोच से मुक्त होना चाहिए। कार्यक्रम में एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डा. नितिन शर्मा, डा. कुलदीप सिंह के साथ ही एनआइटी के सभी फैकल्टियां, कर्मचारी भी शामिल हुए। (जासं)